भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने मनाया 65 वाँ स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई का 65 वाँ स्थापना दिवस दिनांक 06 जून 2025 को पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस समारोह में श्री रामास्वामी एन.,आई.ए.एस., माननीय सचिव, पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मुख्य अतिथि थे तथा वर्सोवा विधान सभा क्षेत्र के विधायक माननीय श्री हारून खान एवं संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. दिलीप कुमार विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर संस्थान के कार्यवाहक निदेशक एवं कुलपति डॉ. एन.पी. साहू और संयुक्त निदेशक (प्रशासन) एवं वरिष्ठ कुलसचिव श्री संजय बोकोलिया भी उपस्थित थे।

विशिष्ट अतिथि श्री हारून खान ने कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में पूरे देश भर में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान विख्यात है। इस क्षेत्र में पिछले 65 वर्षों में इस संस्थान ने बहुत अधिक कार्य किया है, जिससे भारत भर के मछुआरों की ज़िंदगी में काफी सुधार आया है। मत्स्य पालन क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर है और इससे भारत का भी समग्र विकास होगा। इस संस्थान के आगे के विकास के लिए विधायक के तौर पर मदद करने के लिए मैं हमेशा तत्पर रहूँगा।

इस अवसर पर संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि अपनी स्थापना के 65 वर्षों के अंदर संस्थान ने कई ऊँचाइयों को छुआ है तथा साथ में कई उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं। मात्स्यिकी शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है तथा मात्स्यिकी में उच्च कोटि के मानव संसाधन विकास में संस्थान को महारथ हासिल है और संस्थान ने इस दिशा में कई कार्य किए हैं, जिसके लिए संस्थान के सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम, संस्थान के 65वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि यह संस्थान मात्स्यिकी शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान रखता है तथा संस्थान ने मात्स्यिकी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले मानव संसाधन के सृजन के लिए यह संस्थान हमेशा प्रयासरत है। उन्होंने देश के समग्र विकास में मत्स्य पालन और जलीय कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मछुआरों और मत्स्य किसानों की आजीविका को बनाए रखने और उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए संस्थान की

सराहना की और आग्रह किया कि इस दिशा में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने अपने स्वागत भाषण में सर्वप्रथम संस्थान को मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि में उच्च शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए संस्थान के सभी सेवानिवृत्त एवं सेवारत अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उनको धन्यवाद दिया और सभी को 65वें स्थापना दिवस की बधाइयाँ दीं। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मात्स्यिकी क्षेत्र का एक अग्रणी विश्वविद्यालय है तथा इसने दशकों से निरंतर कई प्रतिष्ठित लोगों, सुविख्यात स्कालर व योग्य नेतृत्व का निर्माण किया है। यह संस्थान अपने विशिष्ट शैक्षणिक कार्यों, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने संस्थान द्वारा महाराष्ट्र के विकास में मात्स्यिकी के क्षेत्र में किए गए योगदानों एवं प्राप्त उपलब्धियों तथा भविष्य में इस दिशा में संस्थान द्वारा लागू की जाने वाली योजनाओं का भी उल्लेख किया।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण भी किया गया। इसके अलावा संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्रों को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन एवं शैक्षिणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। श्री संजय बोकोलिया, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) एवं वरिष्ठ कुल सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया । इसके बाद संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा 'जल तरंग' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान का स्थापना दिवस

मछुआरों की ज़िंदगी में आया काफी सुधार

■ **मुंबई** (सं). केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान का 65 वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को मुंबई के अंधेरी में मनाया गया. इस समारोह का आयोजन डॉ. एन पी शाहू की अध्यक्षता में किया गया, जहां प्रमुख अतिथि के रूप में पशुपालन डेयरी विकास एवं मत्स्यपालन के सचिव डॉ. रामास्वामी एन. आई ए एस, व विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय बाकोलिया , दिलीप कुमार और स्थानीय विधायक हारून खान मौजूद रहे. प्रमुख अतिथि रामास्वामी ने कहा कि मछुआरों और मत्स्य किसानों की आजीविका को बनाए रखने और उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए संस्थान की सराहना. विशिष्ट अतिथि हारून खान ने कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में पूरे देश भर में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान विख्यात है,जिससे भारत भर के मछुआरों की ज़िंदगी में काफी सुधार आया है. मैं इस संस्थान के विकास के लिए विधायक के तौर पर मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा.

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने अपने स्वागत भाषण में सर्वप्रथम संस्थान को मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि में उच्च शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए संस्थान के सभी सेवानिवृत्त एवं वर्तमान अधिकारियों/कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उनको धन्यवाद दिया और सभी को 65वें स्थापना दिवस की बधाइयाँ दी. उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मात्स्यिकी क्षेत्र का एक अग्रणी विश्वविद्यालय है तथा इसने दशकों से निरंतर कई प्रतिष्ठित लोगों, सुविख्यात स्कालर व योग्य नेतृत्व का निर्माण किया है. यह संस्थान अपने विशिष्ट शैक्षणिक कार्यों, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.